तेरा नाम सुनके दाता दर पर फ़कीर आया,

तेरा नाम सुनके दाता दर पर फ़कीर आया,
उस नाम के मुताबिक कर दो करम ख़ुदाया।

सुनते हैं जो भी आया, भर भर के झोली पाया,
पर यह फ़कीर मौला झोली न संग लाया।

गर ख़ाली हाथ लौटा तो कान खोल कर सुन,
हो जायेगा जहाँ से तेरे नाम का सफाया।

सामान दे या ना दे मर्जी तेरी है रहवर,
झोली तो दे दे दाता ठोकर बहुत है खाया।

है देर तेरे घर में अन्धेर तो नहीं हैं,
आशिक 'कृपालु' ने यह राज है बताया।

पुस्तक - ब्रज रस माधुरी-1
पृष्ठ संख्या -210
कीर्तन संख्या -303

कवि : जगद्गुरु श्री कृपालु जी महाराज
स्वर : सुश्री अखिलेश्वरी देवी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34586/title/tera-naam-sun-ke-data-dar-par-fakir-aaya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |